

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

सोने की कीमतों में तूफानी उछाल, अर्थशास्त्रियों की चेतावनी : सुरक्षित निवेश पर नजर

Publisher

Published on 17 Oct 2025



देश और दुनिया में सोने की कीमतों में हालिया दिनों में जो उछाल देखने को मिला है, उसने निवेशकों और आम जनता दोनों को चौका दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह तेजी केवल एक अस्थायी बाजार घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और ब्याज दरों में संभावित कटौती की आशाओं से प्रेरित है।

सोने के निवेश को परंपरागत रूप से सुरक्षित माना जाता रहा है, और इस समय निवेशक इसी कारण सोने की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि राजनीतिक और भू-राजनीतिक तनाव के बीच निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित रखने के लिए सोने में निवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक की खरीद भी सोने की कीमतों को ऊँचाई पर बनाए रखने में योगदान कर रही है।

हालांकि, चांदी में भी इसी अवधि में बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि प्लैटिनम और पैलेडियम में गिरावट दर्ज की गई। इसका कारण यह है कि सोने की मांग अधिकतर सुरक्षित निवेश और हेजिंग के लिए होती है, जबकि प्लैटिनम और पैलेडियम की कीमतें उद्योग और उत्पादन गतिविधियों पर निर्भर करती हैं।

प्रमुख अर्थशास्त्री और निवेश विशेषज्ञ इस तेजी को लेकर चेतावनी भी दे रहे हैं। उनका मानना है कि निवेशक यदि बिना समझदारी के इस उछाल में कूदेंगे तो उन्हें जोखिम उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सोने में निवेश लाभदायक हो सकता है, लेकिन इसका मूल्य अत्यधिक अस्थिर हो सकता है। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे बाजार के रुझान और आर्थिक संकेतकों पर ध्यान दें, न कि केवल भावनाओं में बहकर निवेश करें।

वैश्विक आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापार तनाव ने सोने की कीमतों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा, यूरोपीय और अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा संभावित ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें भी निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित कर रही हैं। यह स्थितियां सोने को एक सुरक्षित आश्रय संपत्ति के रूप में प्रस्तुत करती हैं।

बाजार में इस समय यह सवाल उठ रहा है कि यह तेजी कितनी देर तक टिकेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि वैश्विक

अर्थव्यवस्था में स्थिरता नहीं आती और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ते रहते हैं, तो सोने की कीमतों में और तेजी देखी जा सकती है। वहीं, अगर स्थिति में सुधार होता है, तो सोने की कीमतों में गिरावट भी संभव है।

निवेशकों के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण और अवसरों से भरा है। वे सोने में निवेश कर अपनी पूंजी की सुरक्षा कर सकते हैं, लेकिन जोखिम का सही आकलन करना अनिवार्य है। विशेषज्ञों की चेतावनी यही है कि निवेशकों को जल्दबाजी या अति उत्साह में आकर निर्णय नहीं लेना चाहिए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.